सिटी एंकर

पहली बार गॉल ब्लाडर और हर्निया की सर्जरी सफल

आईजीआईएमएस में रोबोटिक सर्जरी की सुविधा बहाल

सिटी रिपोर्टर | पटना

आईजीआईएमएस में रोबोटिक सर्जरी की सुविधा बहाल हो गई है। पहली बार दो मरीजों की इस तकनीक से सर्जरी की गई। एक मरीज शिवहर की 26 वर्षीय महिला थी, जो गॉल ब्लॉडर स्टोन से तीन साल से पीड़ित थी। दूसरा सीवान का 55 वर्षीय मरीज था, जो हर्निया और गॉल ब्लॉडर से पीड़ित था।

गैस्ट्रो सर्जरी विभाग के हेड डॉ. मनीष मंडल की देखरेख में दोनों मरीजों की सर्जरी की गई। उन्होंने बताया कि आईजीआईएमएस बिहार का पहला सरकारी सेंटर बन गया है, जहां रोबोटिक पद्धति से गैस्ट्रो सर्जरी विभाग में पेट की सर्जरी की सुविधा बहाल हो गई है। जीआई सर्जरी विभाग के डॉ. साकेत कुमार ने कहा कि रोबोट एआई तकनीक से लैस है, जो गड़बड़ी को तुरंत पकड़ लेता है। संस्थान

में पहली बार रोबोट से सफल सर्जरी पर निदेशक डॉ. बिंदे कुमार और उपनिदेशक डॉ विभूति प्रसन्न सिन्हा ने टीम को बधाई दी है।

फायदा क्या : रोबोटिक सर्जरी के मुख्य फायदों में छोटे चीरे, कम दर्द, कम खून बहना और तेजी से रिकवरी शामिल है। यह तकनीक सर्जनों को 3D विजन और अधिक सटीक नियंत्रण प्रदान करती है, जिससे आसपास के ऊतकों को कम नुकसान होता है। इसके अलावा अस्पताल में कम समय रुकना पड़ता है और संक्रमण का जोखिम भी कम होता है।

अन्य विभागों में भी होगा उपयोग

संस्थान के उपनिदेशक डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने बताया कि इस तकनीक से सर्जरी सटीक और कम तकलीफदेह होती है। सर्जरी के दौरान गलतियां होने की संभावना कम हो जाती है। दोनों मरीजों की सर्जरी सफल रही। दोनों पूरी तरह से स्वस्थ हैं। आने वाले समय में हड्डी समेत अन्य विभागों में भी रोबोट से सर्जरी होगी। इसके लिए चिकित्सकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

पहली बार रोबोट से दो की सर्जरी हुई

आईजीआईएमएस

पटना,प्रधान संवाददाता। आईजीआईएमएस में पहली बार मंगलवार को रोबोट से दो मरीजों की सफल सर्जरी की गई। गैस्ट्रो सर्जरी विभाग रोबोटिक सर्जरी करने वाला संस्थान का पहला विभाग बन गया है। जिन दो मरीजों की सर्जरी की गई उसमें एक शिवहर जिले के 26 वर्षीय महिला मरीज है, जो गॉल ब्लॉडर स्टोन से बीते तीन साल से पीड़ित थी।

दूसरा मरीज 55 वर्षीय सीवान जिले के हैं, जो हर्निया व गॉल ब्लॉडर दोनों बीमारी से पीड़ित थे। गैस्ट्रो सर्जरी विभागाध्यक्ष सह आईजीआईएमएस के चिकित्सा अधीक्षक डॉ मनीष मंडल की देखरेख में दोनों मरीजों की पहली बार रोबोटिक सर्जरी की गई। पहली बार रोबोट से सफल सर्जरी के बाद संस्थान के निदेशक डॉ. बिंदे कुमार व

■ गैस्ट्रो रोबोटिक सर्जरी वाला पहला विभाग बना

▲ आईजीआईएमएस में रोबोटिक सर्जरी के बाद खुशी जताती टीम।

उपनिदेशक डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने टीम को बधाई दी।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने कहा कि आईजीआईएमएस बिहार का पहला सरकारी अस्पताल बन गया है जहां पर रोबोटिक विधि से गैस्ट्रो सर्जरी विभाग में मरीजों के लिए पेट की सर्जरी की सुविधा उपलब्ध हो गई है।

गैस्ट्रो सर्जरी विभाग के डॉ.साकेत कुमार ने कहा कि रोबोट में एआई तकनीक लगा हुआ है। जो गड़बड़ी को तुरंत पकड़ लेता है। संस्थान के उपनिदेशक(प्रशासन) डॉ.विभूति प्रसन्न सिन्हा ने बताया कि रोबोट अब बिहार के मरीजों के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं होगा।

आईजीआईएमएस में पहली बार दो मरीजों की गॉल ब्लॉडर व हर्निया की हुई सफल सर्जरी

(आज समाचार सेंवा)

पटना। आईजीआईएमएस में पहली बार रोबोट से दो मरीजों की गॉल ब्लॉडर व हर्निया की सफल सर्जरी की गई। इनमें एक शिवहर जिले के 26 वर्षीय महिला को गॉल ब्लॉडर

स्टोन से पीड़ित थी, जबकि दूसरा मरीज 55 वर्षीय सिवान जिले के हर्निया व गॉल ब्लॉडर दोनों बीमारी से ही पीड़ित थे। इस सर्जरी की देखरेख अस्पताल के अधीक्षक डा.मनीष मंडल ने की। संस्थान में पहली बार रोबोट से सफल सर्जरी के बाद संस्थान के निदेशक डा.बिन्दे कुमार एवं उपनिदेशक डा.विभूति प्रसन्न सिन्हा ने टीम को बधाई दी हैं।

अस्पताल अधीक्षक डा.मनीष मंडल ने कहा कि रोबोट की सहायता से की जाने वाली स्पाइन सर्जरी न केवल शल्य चिकित्सा की सटीकता बढ़ाती है, बल्कि रक्तस्त्राव को कम करने, मानवीय त्रुटियों को न्यूनतम करने और मरीजों के तेजी से स्वस्थ होने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आईजीआईएमएस जीआइ सर्जरी विभाग के डा.साके त कुमार ने कहा कि रोबोट में ए अ ा इ तकनीक लगा हुआ हैं, जो गड़बड़ी को तुरंत पकड़ में आ जाता हैं। इससे सर्जनों को अधिक सटीक निर्णय लेने और संभावित रूप से जटिलताओं और विकिरण जोखिम को कम करने में सहायता मिलती हैं। उपनिदेशक डा.विभूति प्रसन्न सिन्हा ने बताया कि रोबोट अब बिहार के मरीजों के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं होगा। इससे जहां मरीजों की सटिक सर्जरी होगी, वहीं दूसरी ओर सर्जरी के दौरान गलतियां नही होंगी। दोनों मरीजों की सफल सर्जरी रही और मरीज अब पूरी तरह से स्वस्थ हैं।

50-yr-old 'brain-dead' UP woman jolted back to life by pothole

Keshav Agarwal | TNN

Pilibhit: A pothole on Bareilly-Haridwar NH-74 turned out to be a blessing for a 50-year-old woman from UP, reviving her, quite literally, after there was clinically "no signs of life in her".

Declared "brain-dead" by doctors and discharged from a Bareilly hospital with almost "no hope of survival", Vineeta Shukla was being brought back home by her mournful husband, Kuldeep Kumar Shukla, on Feb 24, when the ambulance struck upon the pothole-riddled stretch of the highway. Then, a sudden, violent jerk did the unthinkable.

"I told my family to prepare for her last rites. She was not breathing, there was only a sinking heartbeat. As the ambulance reached Hafizganj, it struck a large pothole and the vehicle moved violently," her husband told TOI on Tuesday.

Vineeta with Dr Rakesh Singh and her husband Kumar Shukla

The next moment, Kuldeep said, was nothing short of a miracle. "My wife started breathing normally again... I immediately informed my family to suspend all the funeral preparations, and rushed her to Neurocity Hospital in Pilibhit." There, after undergoing critical medical care, she returned home on Monday, "conquering her death," Kuldeep said, adding, "she is now not just awake, but talking to us..."

Dr Rakesh Singh, neurosurgeon at Neurocity Hospital, went through a thorough inquiry procedure about the patient's physical condition and medical diagnosis from his counterparts at the Bareilly hospital before starting her meticulous treatment.

आइजीआइएमएस में रोबोटिक सर्जरी शुरू

पहले दिन दो आपरेशन प्रदेश का पहला सरकारी अस्पताल जहां अब रियायती दर पर रोबोट से सर्जरी

जागरण संवाददाता, पटना : प्रदेश के सबसे बड़े मल्टी सुपरस्पेशियलिटी स्वायत्तशासी संस्थान आइजीआइएमएस के नाम मंगलवार को एक और नई उपलब्धि दर्ज हो गई। संस्थान के गैस्ट्रोइंस्टेटाइन सर्जरी विभाग में पहली बार रोबोटिक विधि से दो मरीजों की सफल सर्जरी की गई। इनमें से एक मरीज शिवहर की 26 वर्षीय महिला है, जो गत तीन वर्षों से गाल ब्लाडर स्टोन से पीड़ित थीं। दूसरा मरीज सिवान का 55 वर्षीय व्यक्ति हैं जो हर्निया व गाल ब्लाडर दोनों समस्याओं से जूझ रहे थे। गैस्ट्रो सर्जरी के विभागाध्यक्ष डा. मनीष मंडल की देखरेख में दोनों मरीजों का सफल आपरेशन किया गया। इसके साथ ही आइजीआइएमएस बिहार का पहला अस्पताल बन गया है जहां सरकारी दर पर पेट की रोबोटिक सर्जरी की जाएगी। संस्थान के निदेशक डा. बिन्देकुमार, उपनिदेशक प्रो. डा. विभूति प्रसन्न सिन्हा आदि ने इस उपलब्धि पर गैस्ट्रो सर्जरी टीम को बधाई देते हुए इसे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बड़ी उपलब्धि बताई।

रोबोट से पहली सर्जरी करने वाली गैस्ट्रोसर्जरी विभाग की टीम। सौ. अस्पताल

- अभी गैस्ट्रो सर्जरी विभाग में ही मिल रही सुविधा, गाल ब्लाडर और हार्निया की हुई सर्जरी
- मरीजों को सामान्य आपरेशन की तुलना में कम दर्द होता है जल्दी भर जाते हैं जख्म

मरीजों को मिलेंगे ये फायदे

- सर्जरी के दौरान अधिक सटीकता
- रक्तस्राव कम होने की संभावना
- आपरेशन के बाद कम दर्द
- संक्रमण का खतरा कम
- मरीज जल्दी स्वस्थ हो कर जल्दी घर जा सकेंगे।

अब रोबोट से सर्जरी को नहीं जाना पड़ेगा दूसरे राज्य

अब तक कई मरीजों को रोबोटिक सर्जरी के लिए दिल्ली, मुंबई या अन्य बड़े शहर जाना पड़ता था। आइजीआइएमएस में इसके शुरू होने से प्रदेश के मरीजों को यहीं पर सस्ते में आधुनिक तकनीक से इलाज मिल सकेगा। उपनिदेशक प्रो. डा. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि रोबोटिक सर्जरी बिहार के मरीजों के लिए वरदान साबित होगी। अन्य विभागों में रोबोटिक सर्जरी शुरू करने के लिए चिकित्सकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कम दर्द, जल्दी स्वस्थ, गलतियों की आशंका कम: चिकित्साधीक्षक डा. मनीष मंडल ने बताया कि रोबोटिक तकनीक जटिल सर्जरी को भी आसान, सटीक व सुरक्षित बनाती है। इससे सर्जन को आपरेशन के दौरान बेहतर नियंत्रण व स्पष्ट दृश्य मिलता है। इस तकनीक से सर्जरी में रक्तस्राव कम होता है और मानवीय त्रुटियों की आशंका भी कम हो जाती है। साथ ही मरीजों को कम दर्द होता है और वे सामान्य सर्जरी की तुलना में जल्दी स्वस्थ होते हैं। फिलहाल, गैस्ट्रो सर्जरी विभाग से रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत की गई है, लेकिन जैसे ही प्रशिक्षण होता जाएगा स्त्री एवं प्रसूति रोग, प्रोस्टेट-किडनी जैसी यूरोलाजी, न्यूरो सर्जरी, आर्थोपेडिक-स्पाइन व कैंसर की भी सर्जरी रोबोटिक विधि से की जाएंगी।

एआइ व थ्री-डी इमेजिंग से बढ़ती सटीकता: जीआइ सर्जरी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. साकेत कुमार ने बताया कि रोबोटिक प्रणाली में एआइ तकनीक व थ्री-डी इमेजिंग का प्रयोग होता है। इससे सर्जन को आपरेशन के दौरान शरीर के अंदर का स्पष्ट व वास्तविक समय का दृश्य दिखता है। यह तकनीक हार्निया, गाल ब्लाडर, अर्पेडिक्स, छोटी व बड़ी आंत से जुड़ी सर्जरी में अधिक सटीकता व सुरक्षा प्रदान करती है। इससे जटिलताओं व जोखिम की आशंका कम हो जाती है।

ा, पहली बार सरकारी अस्पताल में रोबोट से सर्जरी

रोबोट की मदद से पहली बार दो मरीजों की सफल सर्जरी

आइजीआइएमएस

संवाददाता, पटना

बिहार में स्वास्थ्य के क्षेत्र में मंगलवार को एक नया अध्याय जुड़ गया. आइजीआइएमएस के जीआइ सर्जरी विभाग में दो मरीजों की सर्जरी रोबोट से की गयी. इनमें एक शिवहर जिले की 26 वर्षीया महिला है, जो गॉल ब्लाडर में पथरी से तीन साल से पीड़ित थी. वहीं, दूसरा 55 वर्षीय मरीज सीवान जिले का है, जो हर्निया व गॉल ब्लाडर दोनों बीमारी से पीड़ित था. गैस्ट्रो सर्जरी विभाग के अध्यक्ष डॉ मनीष मंडल की देखरेख में दोनों मरीजों की रोबोटिक सर्जरी की गयी. यह पहला मौका है, जब राज्य के किसी सरकारी अस्पताल में रोबोट से सर्जरी की गयी. संस्थान के निदेशक डॉ बिंदे कुमार व उपनिदेशक डॉ विभूति प्रसन्न सिन्हा ने पूरी टीम को बधाई दी है.

रोबोट की मदद से सफल सर्जरी के बाद डॉक्टरों की टीम.

रोबोट से जटिल सर्जरी भी होगी आसान और सटीक : मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ मनीष मंडल ने कहा कि रोबोट की सहायता से की जाने वाली स्पाइन सर्जरी न केवल शल्य चिकित्सा की सटीकता बढ़ाती है, बल्कि रक्तस्राव को कम करने, मरीजों के तेजी से स्वस्थ होने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. आइजीआइएमएस बिहार का ऐसा पहला सरकारी सेंटर बन गया है, जहां पर रोबोटिक पद्धति द्वारा गैस्ट्रो सर्जरी विभाग में पेट की सर्जरी की सुविधा उपलब्ध हो गयी है.

नहीं जाना पड़ेगा बाहर : पेट संबंधित सर्जरी में रोबोट का मुख्य उपयोग फ्रीहैंड या फ्लोरोस्कोपी-निर्देशित प्रक्रियाओं की तुलना में सुरक्षित पेडिकल स्क्रू फिक्सेशन सुनिश्चित करने में होता है. अब मरीजों को रोबोटिक सर्जरी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा.

बिहार के लिए मददगार होगा रोबोट का उपयोग : उपनिदेशक प्रो. डॉ विभूति प्रसन्न सिन्हा ने बताया कि रोबोट अब बिहार के मरीजों के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं होगा. इससे जहां मरीजों की सटीक सर्जरी होगी, वहीं सर्जरी के दौरान गलतियां नहीं होंगी.

In a first, doctors at IGIMS perform 2 robotic surgeries

Sheezan.Nezami
@timesofindia.com

Patna: In a first for a govt health institute in the state, the IGIMS on Tuesday performed robotic surgery, marking a significant step towards the adoption of advanced technology in public healthcare.

A 26-year-old woman from Sheohar underwent gallbladder surgery with the help of an AI-enabled robotic system at the hospital. According to hospital sources, she was initially scheduled for laparoscopic surgery but opted for robotic surgery after being informed about the option.

Soon after, a 55-year-old patient from Siwan underwent robotic surgery for gallbladder stones and hernia. Both procedures were performed by the hospital's gastroenterology department. "Both the patients are doing perfectly fine," a doctor said.

TOI

The team of IGIMS doctors cheer up after the two surgeries

Hospital sources said the robotic system, procured at a cost of around Rs30 crore, is a multi-armed platform equipped with an inbuilt camera and the ability to rotate 360 degrees inside the body. Doctors said the technology offers greater precision than conventional laparoscopic surgery and involves negligible bleeding.

"When compared to laparoscopy, it is more precise and involves negligible bleeding," a doctor said. "If a doctor makes an error, the system prevents that movement. It operates precisely at the point where surgery is required."

Doctors added that robotic surgery offers several advantages, including smaller incisions, better visualisation, improved accuracy, reduced blood loss and faster recovery for patients. The system also allows surgeons to perform complex procedures with greater control in confined spaces inside the body.